भारत सरकार
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2189

23.09.2020 को उत्तर के लिए

जंगल में आग की घटना

2189. श्री गजेन्द्र उमराव सिंह पटेल:
श्री रवि किशन: श्री नायब सिंह सैनी:
श्री रविन्दर कुशवाहा:
श्री जॉन बर्ला: श्री मनोज तिवारी:

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने विश्व स्तर पर जंगल में आग लगने वाली घटनाओं में हो रही वृद्धि का संज्ञान लिया है जिससे जैव विविधता जिसमें वन्य जीवन तथा वनस्पति को बड़े पैमाने पर क्षति पहुंच रही है;

(ख) यदि हां, तो हमारे देश में वन अग्नि निवारण और प्रबंधन योजना के अंतर्गत कौन से विशेष प्रबंध किए गए हैं;

(ग) इस योजना के अंतर्गत किस प्रकार नई तकनीक का लाभ उठाया जा रहा है; और

(घ) पिछले तीन वर्षों के दौरान इस मद हेतु निर्धरित/आवंटित/ उपयोग की गई निधि का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री बाबुल सुप्रियो)

(क) जी, हां। जैसा कि ''दावानल प्रबंधन: वैश्विक उत्तम पद्धतियां'', राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा तैयार किए गए एक संग्रह, में सूचित किया गया है, दुनिया भर में दावानल की घटनाओं में वृद्धि हो रही है। आस्ट्रेलिया, ब्राजील, कैलिफोर्निया और कनाडा सहित कई देशों में बड़े क्षेत्र में दावानल की घटनाएं सूचित की गई हैं। कुछ आग की घटनाएं, जो पर्यावासों में घटित होती हैं जहां पहले आग की घटनाएं बहुत सीमित थीं, अत्यंत गंभीर, बे-मौसम, या और ज्यादा तीव्र हैं एवं बारंबार घटित होती हैं। इन मामलों में दावानल से वन पारि-तंत्रों तथा मानव के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा हो जाता है।

रिपोर्ट के अनुसार दावानल के कारण यूएसए, आस्ट्रेलिया, साइबेरिया और आमेजन के बहुत बड़े विशाल वन क्षेत्र आग की चपेट में आ जाते हैं। वर्ष 2018 में, कैलिफोर्निया में 1.8 मिलियन एकड़ क्षेत्रफल आग के कारण जल गया था। आमेजन क्षेत्र में वर्ष 2019 में 80,000 दावानल की घटनाएं देखी गई थी, जिससे 2018 की तुलना में दावानल की घटना में 75% की वृद्धि हुई थी। आस्ट्रेलियाई वन स्थिति रिपोर्ट, 2018 में उल्लेख किया गया है कि वर्ष 2011-12 से 2015-16 की अवधि में आस्ट्रेलिया के वनों में वार्षिक दावानल प्रभावित क्षेत्र, जो 2012-13 में अत्यधिक मान के साथ 27.4 मिलियन हेक्टेयर था, वर्ष 2015-16 में परिवर्तित होकर निम्न मान के साथ 14.9 हेक्टेयर रह गया। इस अवधि में आग से प्रभावित समेकित

क्षेत्रफल 106 मिलियन हेक्टेयर है। वर्ष 2018 में, कनाडा में 7,000 से अधिक दावानल की घटनाएं हुई थी जिनमें लगभग 2.3 मिलियन हेक्टेयर वन क्षेत्र जल गए थे।

जहां तक भारत का प्रश्न है, जैसाकि राज्यों द्वारा सूचित किया गया है, वर्ष 2019 में आग के कारण 2,56,710 हेक्टेयर क्षेत्रफल प्रभावित हुआ है। देश में दावानल की अधिकांश घटनाओं में जमीन की सतह पर आग लगती है जिससे जमीन पर मौजूद पेड़-पौधे आदि जल जाते हैं। जहां तक भारत का प्रश्न है, भारतीय वन सर्वेक्षण द्वारा विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को प्रेषित दावानल की चेतावनियों की संख्या वर्ष 2018-19 और 2019-20 में क्रमश: 29547 और 22447 थी।

(ख): चूंकि वनों का प्रबंधन राज्यों के वन विभागों द्वारा किया जाता है, अत: दावानल के निवारण और प्रबंधन की जिम्मेदारी मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकारों पर होती है। मंत्रालय द्वारा केन्द्र-प्रायोजित दावानल निवारण और प्रबंधन योजना के तहत, वन क्षेत्रों में दावानल रेखाओं के सृजन एवं अनुरक्षण, दावानल पर चौकसी रखने वालों का नियोजन, वन क्षेत्रों में जल-भण्डारण संरचनाओं का निर्माण, वन अवसंरचना का सुदृढ़ीकरण, अग्निशमन उपकरणों की खरीद, अत्यधिक जोखिम वाले क्षेत्रों में मृदा एवं आद्रता संरक्षण कार्य, जागरूकता सृजन, दावानल से सुरक्षा हेतु गांवों/समुदायों को वित्तीय प्रोत्साहन आदि दावानल निवारण एवं प्रबंधन के विभिन्न उपायों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करके दावानल की रोकथाम और नियंत्रण की दिशा में राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों द्वारा किए जा रहे प्रयासों में सहयोग प्रदान किया जाता है। राज्य सरकारें इस केन्द्र-प्रायोजित योजना के तहत दावानल के निवारण और प्रबंधन हेतु वार्षिक प्रचालन योजना तैयार करती हैं और केन्द्र-प्रायोजित योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार निधियां जारी की जाती हैं।

(ग): इस योजना में दावानल के खतरे की रेटिंग प्रणाली तथा दावानल पूर्वानुमान प्रणाली स्थापित करने का प्रावधान किया गया है। राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को वास्तविक समय (रीअल टाइम) आधार पर उपग्रह आधारित दावानल संबंधी चेतावनियां दी जाती हैं। इसके अलावा, संयुक्त वन प्रबंधन समितियों, पारिस्थितिकीय विकास समितियों, गैर-सरकारी संगठनों, स्वयं-सेवकों आदि को उनके पंजीकृत मोबाइल नंबरों पर दावानल की चेतावनियां उपलब्ध कराई जाती हैं। आज की तारीख तक, भारतीय वन सर्वेक्षण से दावानल की चेतावनियां प्राप्त करने हेतु लगभग 1,01,550 प्रयोक्ताओं को पंजीकृत किया गया है।

(घ): विगत तीन वर्षों के दौरान, दावानल निवारण और प्रबंधन योजना के तहत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को जारी निधियों का ब्यौरा नीचे दिया गया है:

(रू. लाख में)

वर्ष	**चिह्नित/आबंटित राशि**	**उपयोग की गई राशि**
2017-18	4525.00	3481.40
2018-19	5000.00	4657.42
2019-20	4700.00	4684.69

****